

सुशांत पटनायक  
अपर सचिव,  
उत्तराखण्ड शासन.

सेवा में,

अपर प्रमुख वन संरक्षक  
नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन,  
उत्तराखण्ड, देहरादून.

वन एवं पर्यावरण अनुभाग-2

देहरादून : दिनांक १४ अक्टूबर, 2011

विषय:-वन विभाग के अनुदान सं०-२७ आयोजनेतर पक्ष में वित्तीय वर्ष 2011-12 की वित्तीय स्वीकृतियां निर्गत किये जाने के सम्बन्ध में।

महोदय,

उपरोक्त विषयक आपके कार्यालय के पत्रांक नि-345/३-३(१) दिनांक २९ अगस्त, २०११ के क्रम में मुझे यह कहने का निरेश हुआ है कि वन विभाग के आयोजनेतर पक्ष में संचालित योजनाओं हेतु वित्तीय वर्ष 2011-12 में पूर्व में निर्गत वित्तीय स्वीकृतियों के अतिरिक्त संलग्न सूची में उल्लिखित विवरणानुसार ₹ 13,35,47,000/- (₹ तेरह करोड़ फैसला लाख सौतालीस हजार मात्र) की धनराशि व्यय हेतु आपके निवर्तन पर रखे जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति निम्न शर्तों एवं प्रतिबंधों के अधीन प्रदान करते हैं :-

- उक्त स्वीकृत व्यय चालू योजनाओं पर ही किया जाये और किसी भी दशा में उक्त धनराशि का उपयोग नये कार्यों के कार्यालयन के लिए न किया जाय तथा विभिन्न मदों में व्यय से पूर्व वित्त अनुभाग-१ के शासनादेश सं०-२०९/XXVII(१)/२०११, दिनांक ३१ मार्च, २०११ द्वारा दिये गये निर्देशों के अनुसार सक्षम स्तर की अनुमति/यथा स्थिति शासन वा अनुमोदन प्राप्त कर ही किया जाय। शासन द्वारा वांछित सूचनायें एवं विवरण/मासिक प्रगति विवरण निर्धारित प्रारूप व समयबद्ध आधार पर शासन को उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय। किसी भी शासकीय व्यय हेतु वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-१ (वित्तीय अधिकारों का प्रतीनिधायन नियम), वित्तीय नियम संग्रह खण्ड-५ भाग-१ (लेखा नियम), आय-व्ययक सम्बन्धी नियम (बजट मैनुअल), उत्तराखण्ड अधिग्राहित (प्रैक्योरमेंट) नियमावली, २००८, सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के शासनादेश तथा अन्य सुसंगत नियम, शासनादेश आदि का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित किया जाय।
- बजट प्राविधान किसी भी लेखा शीर्षक/मद के अन्तर्गत व्यय की अधिकतम सीमा को ही प्राधिकृत करता है। अतः बजट प्राविधान से अधिक किसी भी दशा में न तो व्यय किया जाय और न ही पुनर्विनियोग व अन्य माध्यम से अतिरिक्त बजट की प्रत्याशा में कोई व्यय भार/दायित्व सृजित किया जाय।
- यह संज्ञान में आया है कि धनराशि विभागाध्यक्षों के निवर्तन पर रखने के उपरान्त भी विभागाध्यक्षों द्वारा वह धनराशि आहरण वितरण अधिकारियों के निवर्तन पर नहीं रखी जाती है, जिससे क्षेत्रीय स्तर पर व्यय हेतु धनराशि उपलब्ध नहीं होती है। अतः आपके निवर्तन पर रखी जा रही धनराशि का आहरण वितरण अधिकारियों को तत्काल अवगुक्त कर दी जाय, जिससे की फैल्ड स्तर पर बजट उपलब्ध न होने की स्थिति उत्पन्न न हो।
- आहरण वितरण अधिकारियों तथा कोषाधिकारियों को अवमुक्त धनराशि का विवरण बी०एम०-१७ पर प्रत्यक्त माह प्रशासनिक विभाग एवं वित्त विभाग को उपलब्ध कराया जाना आवश्यक एवं अनिवार्य होगा, जिससे की राज्य स्तर पर कैश-प्लॉनिंग वित्तीय विभाग को उपलब्ध उत्पन्न न हो।

6. बी0एम0-13 पर नियमित रूप से प्रशासकीय विभाग एवं वित्त विभाग को विलम्बतम 05 तारिख तक पूर्व माह की सूचना उपलब्ध कराई जाय.
7. व्यय में मितव्ययता नितान्त आवश्यक है. अतः व्यय करते समय मितव्ययिता के सम्बन्ध में समय-समय पर जारी शासनादेशों का अनुपालन सुनिश्चित किया जाय. इस सम्बन्ध में वेतन आदि मदों के अतिरिक्त शेष मदों गे मितव्ययिता सुनिश्चित करने के लिए तत्काल शीर्षक/मदवार बचत की कार्ययोजना बना ली जाय तथा तदनुसार विशेषकर आयोजनेतर पक्ष में बचत करने का वार्षिक लक्ष्य निर्धारित कर बचत किया जाना सुनिश्चित किया जाय.
8. मानक मदों के आहरण प्रणाली के सम्बन्ध में शासनादेश सं-ब-06/X-2-2010-12(11)/2009 दिनांक 31 मार्च, 2010 द्वारा दिये गये दिशा-निर्देशानुसार कार्यवाही की जायेगी।
9. योजनाओं की विभिन्न मदों पर व्यय शासन के वर्तमान नियमों एवं आदेशों के अनुसार ही किया जाये तथा जहां आवश्यकता हो सक्षम अधिकारी/शासन की पूर्व सहमति/स्वीकृति ली जाय.
10. धनराशि का आहरण/व्यय यथा आवश्यकता ही किया जायेगा।
11. स्वीकृत की जा रही धनराशि का उपयोगिता प्रमाण पत्र महालेखाकार एवं शासन के वित्त विभाग को वर्षान्त तक अवश्य उपलब्ध कराया जाना सुनिश्चित किया जाय।
12. अप्रयुक्त धनराशि बजट भेनुअल के प्रावधानों के अन्तर्गत समय सारणी के अनुसार समर्पित किया जाना सुनिश्चित किया जाय।

2- उक्त सम्बन्ध में होने वाला व्यय चालू वित्तीय वर्ष 2011-12 के स्वीकृत आय-व्ययक के सापेक्ष अनुदान संख्या-27 के अन्तर्गत संलग्नक में उल्लिखित लेखा शीर्षक की सुसंगत प्राथमिक इकाईयों के नामे डाला जायेगा।

3- ये आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-137 (NP)/XXVII(4)/2011, दिनांक 12 अक्टूबर, 2011 द्वारा प्रदत्त उनकी सहमति के क्रम में निर्गत किये जा रहे हैं।

संलग्नक-यथोपरि।

मवदीय,  
(सुशात पटनायक)  
उपर सचिव

1056

संख्या- (1)/X-2-2011, तदृग्नांकित.

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

1. महालेखाकार(आडिट), उत्तराखण्ड, वैभव पैलस, सी-1/105, इन्द्रानगर, देहरादून.
2. महालेखाकार(ए एण्ड ई), उत्तराखण्ड, ओबराय मोटर्स बिल्डिंग, सहारनपुर रोड, माजरा, देहरादून.
3. प्रमुख वन संरक्षक, उत्तराखण्ड, देहरादून.
4. मुख्य वन संरक्षक, अनुश्रवण, मूल्यांकन एवं लेखा परीक्षा, उत्तराखण्ड, देहरादून.
5. मुख्य वन संरक्षक, सर्तकता एवं कानून प्रकोष्ठ, उत्तराखण्ड, देहरादून.
6. आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल, उत्तराखण्ड.
7. समस्त जिलाधिकारी, उत्तराखण्ड.
8. वित्त अनुभाग-4, उत्तराखण्ड शासन, देहरादून.
9. निदेशक, कोषागार एवं वित्त सेवायें, देहरादून.
10. बजट राजकोषीय नियोजन एवं संसाधन, सचिवालय, देहरादून.
11. सम्बन्धित कोषाधिकारी/मुख्य/वरिष्ठ कोषाधिकारी, उत्तराखण्ड.
12. प्रभारी, एन.आई.सी., उत्तराखण्ड सचिवालय, देहरादून.
13. गार्ड फाईल.

आज्ञा है,

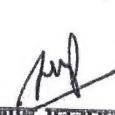
(सुशांत पट्टनायक)

अपर सचिव

(धनराशि रु हजार में)

क्र० सं0	योजना का नाम / लेखा शीर्षक/मानक मद	आय-व्ययक प्राविधान	निर्गत वित्तीय स्थीकृति	अवशेष बजट प्राविधान	वित्तीय स्थीकृति	अभ्युक्ति
1	2	3	4	5	6	
	2406- वानिकी तथा बन्य जीवन					
	01- वानिकी	"				
	001- निर्देशन तथा प्रशासन					
1	03-00- सामान्य अधिकान					
	04- चात्रा व्यय	15000	0	15000	15000	
	योग	15000	0	15000	15000	
	105- वन उत्पाद					
2	04-00- लीसा					<p>1. अपर प्रमुख वन संरक्षक, नियोजन एवं वित्तीय प्रबन्धन कार्यालय के पत्रांक-नि-423/10-12(लीसा) दिनांक 18 सितम्बर, 2010 एवं पत्रांक-नि-199/20-12(लीसा) दिनांक 04 अगस्त, 2011 द्वारा प्रस्तावित दिनांक 25-04-2007 को लीसा डिपो टनकपुर में हुई आग्न दुर्घटना में चम्पावत वन प्रभाग एवं पिथौरागढ़ वन प्रभाग में वर्ष 2005 तथा वर्ष 2006 के नाप भूमि के लीस छेकों द्वारा उत्पादित लीसा जो आग्न दुर्घटना में जल कर नष्ट हो गया था, के भुगतान हेतु रु47,50,685/- की धनराशि के प्रशासनिक व वित्तीय स्थीकृति भी सम्मिलित है।</p> <p>2. उक्त के अतिरिक्त लीस गढ़ान, लीसा दुलान से सम्बन्धित मजदूरों/ठेकेदारों के लम्बित देयकों का भुगतान भी निर्गत की जा रही वित्तीय स्थीकृति से प्राप्तिकरता के आधार पर किया जायेगा।</p>
	42-अन्य व्यय	270000	54000	216000	118547	
	योग-105-0400	270000	54000	216000	118547	
	कुल योग	285000	54000	231000	133547	

(वर्तमान स्थीकृति रु तेरह करोड़ पैसोंसे लाज सौतालीस हजार मात्र)

  
(सुशास पट्टनायक)

अपर सचिव